B.P.E.S
Three Year

B.P.Ed.
Two Year

M.P.Ed
Two Year

P.G.D. Yoga
One Year

M.A. Yoga
Two Year

JASPAL RANA INSTITUTE OF EDUCATION & TECHNOLOGY

(Approved by N.C.T.E & Affiliated to Shri Dev Suman Uttarakhand Univesity Tehri Garhwal U.K.)
Yogic Science department affiliated to Uttarakhand sanskrit University haridwar (U.K.)

PROSPECTUS

जसपाल राणा इंस्टीट्यूट ऑफ ऐजुकेशन एण्ड टैक्नोलॉजी

सम्बद्धता
(शारीरिका शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग, श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, टिहरी गढ़वाल, उत्तराखण्ड)
(योग विज्ञान विभाग, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखण्ड)

संदेश

इक्कीसवीं शताब्दी मे विश्वव्यापी सूचना एवं तकनीकी क्रांति विश्व को एक सूत्र में बांध दिया है। विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र में मानव जिज्ञासा के कारण विश्व में समय समय पर नये–नये अनुसंधान हो रहे हैं। मानव को अपनी इस जिज्ञासा को शांत करने के लि अनुसंधान करना अतिआवश्यक है। वैज्ञानिक शोधकर्ताओं त आधुनिक तकनीक ने प्रत्येक विषय में विशेषज्ञता के नये क्षेत्रों म असंख्य आयाम खोल दिए है। समाज में जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में तेजी से वृद्धि हुई है। इसलिए शिक्षा का उत्तरदायित्व है कि व इसका हल करे और समाज की माँगों को पूरा करें जिसके माध्यम से राष्ट्र सर्वोच्च शिखर पर पहुँच सकता हैं। इन्हीं विज्ञान तकनीकी अनुसंधानों को अपनाकर खिलाड़ी खेलों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर सकते है। इन्हीं अनुसंधानों के कारण खिलाड़ी ओलम्पिक में विश्व रिकार्ड बनाते आ रहे है, और खेलों में नई–नई तकनीकों एवं कौशलों को अपना रहे है। विज्ञान एवं तकनीक के आधार पर वह खेलों के उपकरण, मैदान और खेलों के नियमों के अनुर वस्त्र एवं वेशभूषा भी तैयार किये जाते है जिससे खिलाड़ी के प्रदर्शन में सुधार आता है। वैज्ञानिक तकनीकी ट्रेनिंग के द्वारा शारीरि शिक्षा एवं खेलों से सम्बंधित खिलाड़ियों की शारीरिक दक्षता एवं कौशल का विश्लेषण करके उनके प्रदर्शन में वैज्ञानिक तरीके सुधार लाया जा सकता है। राष्ट्र में शारीरिक शिक्षा एवं खेलों व विकास पर जितना अधिक ध्यान दिया जाएगा वह राष्ट्र अधिक शक्तिशाली एवं ओलम्पिक खेलों में सर्वोच्च शिखर प रहेगा। शारीरिक शिक्षा ने भारत में एक शताब्दी से अधिक अवधि में खेलों को शिक्षा में सतत् एव अनिवार्य अंग के रूप स्थापित किया है। मानव शरीर प्रत्येक कार्य के लिए प्रमुख प्राथमिक माध्यम है। इसलिए संस्था का श्लोक है"**वीरस्य भोग्या वसुंधरा**"। उत्तराखण्ड राज्य बनने व उत्तराखण्ड के मूल निवासी पद्म श्र जसपाल राणा ने खेलों में अपने देश व राज्य की एक पहचान बनाई है। इससे प्रेरित होकर उत्तराखण्ड में एक अच्छे स्पोर्ट्स कालेज व शारीरिक शिक्षण संस्थान का निर्माण हआ है। इसका निर्णय संस्थान ने सन् 2008 में लिया तथा एन0सी0टी0ई0 से मान्यता मिलने के बाद संस्थान का प्रथम बी0पी0एड0 सत्र 2010 में पास आउट हो गया है तथा वर्तमान में चल रहा है । संस्थान में उच्च कोटि का शिक्षण, खेल उपकरणों एवं मैदानों की उपलब्धता तथा कॉलेज भवन व छात्रावास है। संस्थान से पास आउट छात्रों का आत्मविश्वास देखते ही बनता है। बी0पी0ई0एस0, बी0पी0एड0, एम0पी0एड0, पी0जी0 डी0 योगा, एम0ए0 योगा, आर्ट ऑफ लिविंग व शूंटिग जैसे खेलों को पाठ्यक्रम में सममिलित किया गया है जिसकी मांग शिक्षकों के रूप में विद्यालयों में है। हमारे संस्थान में एस0डी0एस0य0. एन0सी0टी0ई0 एवं श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय उत्तराखण्ड के नियमों के अनुसार सर्वश्रेष्ठ फैकल्टी है, जो भारत के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों से शिक्षण एवं प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं, ऐसे योग्य और अनुभवी शिक्षक अपना योगदान संस्थान को दे रहे हैं। इस विवरण पत्रिका के माध्यम र संस्थान में उपलब्ध परिसंरचना, शिक्षण तथा विभिन्न सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी देने का प्रयास किया गया है।

मैं समस्त **जसपाल राणा इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन ए टैक्नोलॉजी संस्थान** परिवार की ओर से नौजवान गतिशील ए उर्जावान प्रतिभाशाली युवाओं का हमारे संस्थान में आने पर हार्दिक स्वागत करता हूँ और विश्वास दिलाता हूँ कि यदि शारीरिक शिक्षा के प्रति प्रशिक्षणार्थियों में उत्तम अभिरूचि, निष्ठा, लगन पात्रता का निर्माण हुआ तो सफलता सर्वत्र उनके कदम चूमेगं एतदर्थ मैं आप सबकी सफलता तथा उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

नारायण सिंह राणा
प्रबंध निदेशक – जसपाल राणा
इंस्टीटयट ऑफ ऐजुकेशन एण्ड टैक्नालॉजी
पूर्व खेल मंत्री – उत्तराखण्ड,
उपाध्यक्ष – राष्ट्रीय क्रीड़ा भारती
उपाध्यक्ष – भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ,
अध्यक्ष – उत्तराखण्ड राज्य राईफल संघ उत्तराखण्ड.

जसपाल राणा इंस्टीटयट ऑफ ऐजुकेशन एण्ड टैक्नोलॉजी का ऐतिहासिक रूप

उत्तराखण्ड राज्य निर्माण के बाद इस नवोदित राज्य शारीरिक प्रशिक्षण संस्थानों की कमी अनभव की जा रही थी। इसे ध्यान में रखते हए सप्रस्द्धि निशानेबाज पदम श्री जसपाल राणा ने इस कमी को परा करने का संकल्प लिया और जी-जान से इसे परा करने में जट गये। उन्हें इसके लिए एक उपयक्त स्थान की तलाश थी।

उन्होंने अपनी ईनामी राशि से प्राकतिक सषमा से ससज्जित अति रमणीक स्थान ग्राम मंझौन (पौंधा) में 100 बीघा जमीन क्रय की और संस्थान के निर्माण का निर्णय लिया। निर्धारित मानकों के अनरूप एक सन्दर संस्थान का निर्माण किया गया। वर्ष 2006 में इस संस्थान का पंजीकरण करते हए एन0सी0टी0ई0 से मान्य प्राप्त की गई और इसे उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय अपनी सम्बद्धता प्रदान कर दी।

विधिवत शिक्षण प्रशिक्षण का शभारंभ करते हए संस्थान ने प्रथम सत्र वर्ष 2009 में प्रारम्भ किया। संस्थान द्वारा 50 छात्रों का प्रथम बैच 2010 में पास आउट किया गया। वर्तमान संस्थान बी0पी0एड0 के साथ बी0पी0इ0एस0 तीन वषीर्य र एम0पी0एड0. पी0जी0डी0 योग. एम0ए0 योग कोर्स. श्री देव समन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय उत्तराखण्ड शासन द्वारा मान्यता प्रा शारीरिक शिक्षा व क्रीडा के क्षेत्र में दी जा रही श्रेष्ठ उदीयमान सेवाओं को देखते हए एन0सी0टी0ई0 व उत्तराखण्ड राज्य ने सहर्ष अपनी मान्यता व सम्बद्धता प्रदान की है।

प्रथम सत्र मे उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय अन्तर्गत आने वाले संस्थानों. कॉलेजों. शिक्षण संस्थानों को परास्त कर हमारे संस्थान ने बालीबाल प्रतियोगिता 2010 में अपना परचम लहराकर विजय भी प्राप्त की। इस प्रकार उत्तराखण्ड में संस्थान अपनी एक विशेष पहचान बना चका है।

इस संस्थान का मख्य उद्देश्य वर्तमान में सर्वप्रथम राज्य मे शारीरिक शिक्षा बी0पी0एड0. बी0पी0एस0. एम0पी0एड0. पी0जी0 डी0 योगा. एम0ए0 योगा पाठयक्रमों के माध्यम से शारीरिक शिक्षा के स्तर का भविष्य उन्नत कर राज्य को गणवत्तापरक प्रशिक्षण प्रदान कराना है जिससे राज्य में योग्य शिक्षक व खेलों में नेतत्व क्षमता का विकास हो सके। खिलाडियो में आत्मविश्वास. तत्परता. संयम और अनशासनशीलता के उत्तम गणों का विकास ही स्पर्द्धात्मक उच्चता का मापदण्ड होता है। यही संस्थान का लक्ष्य है।

उत्तराखण्ड का भौगोलिक मानचित्र

देहरादन से जसपाल राणा इंस्टीटयट ऑफ ऐजकेशन एण्ड टैक्नोलॉजी तक पहँचने का मार्ग

1- vkbZ0,l0ch0Vh0 ⟶ iseuxj ⟶ ik/kk ok;k unk dh pkSdh
(20 fd-eh-)

2- ?kUVk?kj ¼ngjknu½ ⟶ iseuxj ⟶ ik/kk ok;k unk dh pkSdh
(15 fd-eh-)

3- jyos LV'ku ¼ngjknu½ ⟶ iseuxj ⟶ ik/kk ok;k unk dh pkSdh
(15 fd-eh-)

⟶ Tkliky jk.kk f'k{k.k ,oa rduhdh laLFkku

dk;kZy; nwjlapkj&8126037773] 9411184180

परिसर

1. संस्थान रेलवे स्टेशन (15 कि.मी.), आई0एस0बी0टी0 (20 कि.मी.),घंटाघर (15 कि.मी.) की दूरी पर पौन्धा स्थित जहां से संस्थान लगभग 1 कि.मी. की दरी पर ग्राम मंझौन में स्थित है।
2. संस्थान परिसर का सम्पूर्ण क्षेत्रफल 25 एकड़ में स्थिति है यह आंशिक रूप में आवासीय है। परिसर में आवासीय भवन सहित मुख्य भवन, निदेशक कक्ष, अध्यापन कक्ष, पुस्तकालय कक्ष, सभाकार कक्ष (कॉमन रूम), संस्थान परिसर में एव पुरूष छात्रावास, एक महिला छात्रावास, छात्र/छात्राओं हेतु संयक्त भोजनशाला एक वाहा, तरणताल, मुख्य शुटिंग रेंज, आन्तरिक जिम कक्ष (भार वाहन), टेबल-टेनिस कक्ष भी है। संस्थान परिसर में बाहरी खेलों हेतु सुव्यवस्थित व सुविस्तृ 400 मीटर एथलेटिक्स ट्रेक, फुटबाल व हाकी मैदान भी है संस्थान पुस्तकालय में पर्याप्त मात्रा में व्यवसायिक पुस्तकें व साहित्य उपलब्ध है,पत्रिकायें नियमित रूप से मंगाई जाती हैं। संस्थान के छात्र/छात्राओं की समस्त शैक्षिक आवश्यकताअें की पर्ति हेत आधनिक खेल उपकरणों से ससज्जित है ।
3. संस्थान परिसर में समस्त शिक्षकों, कार्यरत अधिकारियों एव कार्मिकों के रहने हेतु पर्याप्त संख्या में आवासीय भवन ए भोजनालय उपलब्ध है।

संस्थान के उददेश्य

1. शारीरिक शिक्षा एवं खेलों के क्षेत्र में उच्च अर्हता प्राप्त शिक्षक व नेतृत्वकर्ता उत्पन्न करना।
2. शारीरिक शिक्षा एव खेलों के क्षेत्र में बढावा देना व खेलों का प्रचार प्रसार करना ।
3. इस क्षेत्र में छात्र एवं छात्राओं को व्यवासियक दिशा निर्देश व रोजगार के अवसर प्रदान कराना।
4. शारीरिक शिक्षा व खेल में सामहिक सहभागिता का विकार करना।
5. देश में शारीरिक शिक्षाा व खेल कार्यक्रमों का विकास उनका प्रसार करना।
6. शारीरिक शिक्षा एवं खेल के क्षेत्र में सामदायिक सेवायें प्रदान करना।
7. शारीरिक शिक्षा एवं खेलों में गरीब छात्र/छात्रा व खिलाडियों के प्रोत्साहन को बढावा देना।
8. राष्ट्रीय सामाजिक कार्यो व शांतिपर्ण एवं आध्यात्मिक कायें के लिए छात्रों को प्ररेणा देना।
9. योग व निशानेबाजी में भी प्रशिक्षण दिया जाता है।

उपलब्ध कराए जाने वाले पाठ्यक्रम

संस्थान द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले पाठ्यक्रम वर्त बी0पी0ई0एस0, स्नातक तीन वर्षीय, बी0पी0एड0 (दो वर्षीय), एम0पी0एड0(दो वर्षीय), पी0जी0 डी0 योगा(एक वर्षीय), एम0ए0 योगा (दो वर्षीय) है।

छात्रावास व भोजनालय

संस्थान मे अध्ययनरत समस्त छात्र, छात्राओं को संस्थान परिसर में स्थित छात्रावासों में रहना व भोजन शाला में भोजन करना अनिवार्य है। संस्थान छात्रावास व भोजनालय में अपेक्षित अनुशासन संबंध नियमावली प्रवेष के उपरान्त छात्रों को उपलब्ध करायी जाएगी।

टिप्पणी

1. विद्यमान कानूनों के तहत संस्थान में रैगिंग पर सख्त प्रतिबंध है। रैगिंग में सम्मिलित छात्रों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी।
2. संस्थान मे अनुशासन व शांति बनाए रखने हेतु छात्रों को छात्रावास में गैर कानूनी गतिविधि, धुम्रपान, मद्यपान (एल्कोहलि पदार्थ), किसी तरह का नशा सम्बन्धि वस्तुओं का उपयो निषेध है। इस नियम का उल्लंघन करने पर दण्ड स्व छात्रावास व संस्थान से निष्कासित किया जा सकता है।
3. शुद्ध शाकाहारी भोजन ही छात्रवास की भोजनवास में बनता है।

सह-शैक्षणिक गतिविधियाँ

संस्थान अपने छात्रों को नाटक, संगीत, वाद-विवाद व प्रश्नोत्त इत्यादि प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता के अवसर प्रदान कर उन सांस्कृतिक व शैक्षणिक गतिविधियों, आध्यात्मिक, आर्ट आफ लिविंग, योगा शिविर एवं एडवेन्चर स्पोर्टस का प्रसार करता है। निशानेबाजी में प्रशिक्षणार्थी को राज्य स्तर पर खेलने के लिए तैयार करके राज्य निशानेबाजी प्रतियोगिता में सहभागिता करवाई जाती है।

क्रीड़ा प्रतिभागिता

खेल प्रतियोगिताएँ (इनट्रामियुरल, एक्सट्रामियुरल खेल) संस्थान के शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के अभिन्न अंग हैं। संस्थान, श्री देव सु उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, टिहरी गढ़वाल से सम्बद्ध होने कारण विश्वविद्यालय के अर्न्तगत आने वाले संस्थान एवं कॉलेजों का अन्त: संस्थान या अन्त: महाविद्यालय प्रतियोगिताएँ होती है जिनमें से अच्छे खिलाड़ियों का चयन श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय द्वारा नोर्थ जोन अंत:विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग की पात्रता रखते है।

संस्थान के दल देहरादून जिला स्तरीय प्रतियोगिताएँ, राज्य स्तरी प्रतियोगिताएँ एवं अन्य विशेष आंमत्रण/मान्यता प्राप्त प्रतियोगिता में भी प्रतिभागिता करते हैं।

प्रवेश व आरक्षण

संस्थान सहशिक्षा पद्धति पर आधारित है, राज्य सहित पूरे भारतवर्ष के छात्र/छात्राओं को प्रवेश देता है। प्रत्येक वर्ष पाठ्यक्रम में नये विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता है। योग्य उम्मीदवार उपलब्ध होने की स्थिति में पाठ्यक्रम में 19 प्रतिशत स्थान अनुसूचित जाति, 4 प्रतिशत स्थान अनुसूचित जनजाति व 14 प्रतिशत स्थान अन्य पिछड़ी जाति उम्मीदवारों हेतु आरक्षित है। आरक्षण के सम्बन्ध में समय समय पर भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा जारी अधिसचना का संस्थान द्वारा पालन किया जाता है।

प्रवेश हेतु आवेदन

प्रत्येक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु इच्छुक उम्मीदवार विवरणिका में संलग्न आवेदन पत्र में सम्पूर्ण प्रविष्तियां पूर्ण कर पाठ्यक्रमों हेतु आवेदन पत्र प्रेषित करने की निर्धारित अंतिम तिथि से पूर्व पंजीकृत डाक द्वा निदेशक/प्रबंधक जसपाल राणा इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेक्शन एण्ड टैक्नोलॉजी, ग्राम–मंझौन, पो0–पौन्धा वाया प्रेमनगर, जिला–देहरादून, उत्तराखण्ड को या सीधे ही संस्थान कार्यालय में आकर जमा कर सकते है। आवेदन पत्र में समस्त प्रविष्टियां स्वच्छ तथा स्पष्ट अक्षरों में होनी चाहिए। आवेदन पत्र के साथ संबन्धित संलग्नक न होने की स्थिति में आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा। आवेदन पत्र के साथ निर्धारि प्रक्रिया तथा परीक्षा शुल्क रू0 500/– जसपाल राणा इंस्टीट्यूट ऑफ ऐजुकेशन एण्ड टैक्नोलॉजी, देहरादून के पक्ष में देय होगा जिसे आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।

प्रवेश विधि

1. पात्र आवेदकों को निर्धारित परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश परीक्षा में उपस्थित होने के लिए सूचित किया जाएगा। कोई पात्र आवेदक को यदि सूचना नहीं प्राप्त होती है, तो वह अपनी जोखिम पर परीक्षा केन्द्र पर सीधे ही उपस्थित हो सकता है। छात्र को प्रवेश परीक्षा केन्द्र पर पूर्ण रूप से भरे गए आवेदन पत्र, डाफ्ट की छायाप्रति लाना अनिवार्य है।
2. प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले आवेदकों को काउसिंलिग के समय सभी प्रमाणपत्रों की मलप्रतियाँ प्रस्तत करनी हे छायाप्रति मान्य नहीं होगी।
3. ऐसे आवेदक जिनका परीक्षा फल कांउसिंलिग के समय तक घोषित नहीं हआ है, उनका आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा।

प्रवेश की सामान्य शर्तें

संस्थान के पाठयक्रमों में प्रवेशार्थियों पर निम्नलिखित सामान्य शर्तें लाग होती हैं।

1. ऐसे उम्मीदवारों को संस्थान में प्रवेश नहीं दिया जाएगा राजकीय सेवा में या संस्थान से अनुशासनात्मक आधार प निष्कासित किए गये हो, और जो आपराधिक गम्भीर कदाचरण मे लिप्त हो। वे प्रवेश के पात्र नहीं होगें।
2. समस्त पाठयक्रम हेत परीक्षा का माध्यम हिन्दी या अंग्रेजी होगा।

3. (एस0सी0, एस0टी0, ओ0बी0सी0 को एन0सी0टी0ई0 के मानको के अनुसार निर्धारित की गई है। बी0पी0ई0 तीन वर्षय के लिए अधिकतम आय सीमा 25 वर्ष।

4. बी0पी0एड0 में प्रवेश हेतु शैक्षिक अर्हता स्नातक में 45 प्रतिशत उत्तीर्ण (एस0सी0. एस0टी0 व ओ0बी0सी0 को अनमन्य छठ)

5. उम्मीदवारों को संस्थान मे प्रवेश स्वंय उनकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी पर उनके द्वारा संलग्न किए गये प्रमाण पत्रों के आधार दिया जाएगा। पाठ्यक्रम के दौरान यदि ऐसा दिखने में आत है, कि उनके द्वारा अनर्गल तरीके से तथ्यों को छुपाकर संस्थान में प्रवेश लिया गया है। या संस्थान से कोई तथ्य नजरअंदाज हो गया है, तो उन प्रवेशो को संस्थान से निरस्त कर दिया जाएगा. और आवेदक को संस्थान छोडना होगा।

6. समस्त उम्मीदवारों को आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखि प्रमाण पत्रों की सत्यापित छायाप्रतियां संलग्न करनी होगी।

(I) अर्हताकारी परीक्षा की अंक सची।

(II) जन्मतिथि प्रमाण-पत्र (हाईस्कूल व पत्र/नगरपालिका/स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण द्वारा अधिकत जिसमें जन्म तिथि हो)।

(III) अंतिम विद्यालय द्वारा जारी चरित्र प्रमाण पत्र ।

(IV) अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछडा वर्ग (आरक्षण उम्मीदवार यदि लाग हो तो)।

(V) क्रीडा प्रतिभागिता. कीडा प्रवीणता प्रमाण पत्र।

7. प्रवेश प्राप्त छात्र को एक महीने के अन्तर्गत विश्वविद्यालय/शिक्षा मण्डल द्वारा जारी प्रवजन पत्र/स्थानान्तरण प्रमाण पत्र संस्थान मे प्रस्तत करना होगा।

8. शारीरिक दक्षता परीक्षा में चोट या मोच (आंतरिक एवम् बाह्य) इत्यादि का जोखिम रहता है, ऐसी स्थिति में कोई घटना घटने पर संस्थान किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होगा।

9. प्रवेश परीक्षा में अनत्तीर्ण छात्र प्रवेश के पात्र नहीं होगे।

आवेदकों का चयन

आवेदको का चयन प्रवेश परीक्षा में कड़ाई से पालन करते हुए प्रवीणता सची के आधार पर प्राविधिक प्रवेश दिया जाएगा. इसके पश्चात आवेदक कांउसिंलिग के समय मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा चिकित्सा परीक्षण करवा कर चिकित्सा प्रमाण-पत्र प्रस्तत करना होगा।

शल्क भुगतान

1. प्रवेश हेतु चयन किए गये आवेदकों को निर्देशानुसार केवल ड्राफ्ट के द्वारा जसपाल राणा इंस्टीट्यूट ऑफ ऐज़ुकेशन एण्ड टैक्नोलॉजी. देहरादन के नाम शल्क जमा करना होगा।

2. शुल्क एक मस्त या सम्पर्ण शल्क एक ही बार में जमा करनी होगी।

3. आवास एवं भोजन शुल्क प्रतिमाह अग्रिम रूप से माह के प्रथम सप्ताह में जमा करने का नियम है. जिसका कडाई से पालन किया जाता है।

उपस्थिति. सुरक्षानिधि व परीक्षा

1. संस्थान में उपस्थिति, परीक्षा परिणाम से संबंधित नियमों जैसे कि श्री देव सुमन विश्वविद्यालय उत्तराखण्ड से संबंधित अधिसूचना में वर्णित है, का कड़ाई से पालन किया जाएगा। छात्रों से शत प्रतिशत उपस्थिति होने की अपेक्षा की जाती है। फिर भी सामाजिक दायित्वों/ चिकित्सा आदि के लिए 15 प्रतिशत तक की छट दिए जाने का प्रावधान है।

2. सभी छात्रों से परिसर के भीतर व बाहर, छात्रावास तथा भोजनालय में सर्वोत्कृष्ट व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। प्रवेश पश्चात छात्रों को " संस्थान के दिशार्निदेशों" से अवगत करा दिया जाएगा या एक प्रति प्रदान की जाएगी। संस्थान के नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही व जाएगी एवम् ऐसे छात्रों को संस्थान से निष्कासित भी किया जा सकता है। संस्थान किसी भी समय इन नियमों मे परिवर्त कर सकता है। ऐसे परिवर्तनों की जानकारी छात्रों को य समय दी जायेगी।

3. यदि कोई छात्र पाठ्यक्रम के मध्य ही संस्थान से अध्य छोड़ता है, तो उसके धन की वापसी का निर्णय संस्थान के निध ारित नियमों के अनसार प्रशासनिक परिषद द्वारा लिया जात है।

यूनिफॉर्म

छात्र/छात्रा यूनिफॉर्म वास्तविक मूल्य के आधार पर संबंधित संस्थान के प्रशासनिक. प्रबन्धकीय एवं विभागाध्यक्षों के मार्गदर्शन में क्रय किए जाएगें।

शीतकालीन परिधान

शीत ऋतु में देहरादून की शिवालिक पर्वत श्रेणियों से जो की हिमालय की निम्न पहाड़ी चोटियां है, शीत हवाएं चलती है। संस्थान से मंसूरी लगभग 30 कि.मी. दूरी पर स्थित है जहां से बर्फीली हवांये चलती रहती है। यहां का सामान्य तापमान 1 से 10 डिग्री सेल्सियस के मध्य रहता है। अतः समस्त छात्रों को अपने स्वाथ्य के अनसार प्रयाप्त मात्रा में गर्म कपडे लाने होते है।

छात्रवृत्ति एवं शुल्क माफी

1. कीडा छात्रवृत्ति किसी भी एक शैक्षिणक सत्र में अखिल भारतीय अंर्तविश्वविद्यालयी स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त करने वाले छात्रों को संस्थान द्वारा प्रदान की जाती हैं। इस छात्रवत्ति की राशि रू0 500/- है।
2. यह छात्रवृत्ति उपलब्धि वर्ष में एक वर्ष हेतु प्रदान की जाएगी। इस दौरान संस्थान में कदाचरण करने पर यह छात्रवत्ति रोक दी जाएगी।
3. संस्थान अखिलभारतीय अंर्तविश्वविद्यालयी प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों 5000/-रू0 , 4000/-रू0. 3000/-रू0 का नगद परूस्कार भी प्रदान करता है।
4. संस्थान के छात्र/छात्रा जो अनुसूचित जाति, अनूसूचित जन जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग में आते है, जिनके पिता की मासिक आय 8000 से कम होती है. उनको सरकार द्वारा छात्रवत्ति प्रदान की जाती हैं

महत्वपूर्ण सूचनाएं

1. संस्थान की विवरण पत्रिका का मूल्य 500/- रू0 एक प्रति हैं। डाक से इसे मंगाने पर 500/-रू0 के ड्राफ्ट के साथ जसपाल राणा इंस्टीट्यूट ऑफ ऐजुकेशन एण्ड टैक्नोलॉजी, देहरादून के पक्ष में भेजना होगा। भरे हुए आवेदन पत्र के साथ परीक्षा शुल्क 500/-रू0 का डाफ्ट संस्थान को भेजना होगा। प्रवेश हेतु सम्पूर्ण पाठ्यक www.jaspalrana.com से भी डाउनलोड किया जा सकता है। डाउन्लोडेड आवेदन पत्र को 500/-रू0 के साथ जसपाल राणा इंस्टीटयट ऑफ ऐजुकेशन एण्ड टैक्नोलॉजी, देहरादून को भेजना होगा।
2. साक्षात्कार/परीक्ष प्रवेश पत्र, पात्र आवेदकों को पंजी डाक/स्पीड पोस्ट द्वारा संस्थान से भेजी जायेगी। फिर भी किसी कारणवश ये पत्र आवेदक को प्राप्त नहीं होते है और आवेदक को यह सुनिश्चित है कि वह प्रवेश के लिए सभी शर्तें पुरी करता है, तो आवेदक संस्थान द्वारा निर्धारित प्रवेश परीक्षा केन्द पर निर्धारित समय एवं दिनांक में अपने जोखिम एवं मूल्य पर उपस्थित हो सकता है। पाठ्यक्रम मे प्रवेश के इच्छुक आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा केन्द पर प्रवेश परीक्षा हेतु पहुँचने से पहले दरभाष क्रमांक 9411184180. 8126037773 पर सर्म्पक करें।
3. आवेदकों को जोखिम से बचने के लिए यह सलाह दी जाती है कि वह निर्धारित प्रवेश परीक्षा केन्द्र पर एक दिन पर्व ही पहँच जाए।
4. यदि कोई चुना हुआ आवेदक निर्धारित दिनांक और समय पर शुल्क अदा करने तथा पंजीयन कराने से वंचित रह जाता है तो प्रवीणता सूची का कड़ाई से पालन करते हुए प्रतीक्षा सची से दसरे आवेदक का चयन कर लिया जाएगा।
5. ऐसे आवेदक जिनका परीक्षा परिणाम नहीं निकला है, आवेदन कर सकते (अपेयरिंग) है। परन्तु उसके द्वारा अर्हतादायी परीक्षा में उत्तीर्ण होने की अंक सूची की मूलप्रति प्रवेश कांउसिंलिग के समय प्रमाण पत्रों की जांच के समय प्रस्तत करनी होगा।
6. प्रवेश के लिए आवेदक के निम्नलिखित प्रमाण पत्रों की मूलप्रतियां उसकी अर्हता एवं पात्रता को जांचने के लिए प्रवेक्ष परीक्षा मे बैठने से पर्व की जाएगी।

   (I) अर्हतादायी परीक्षा की अंक सची की मलप्रति।

   (II) खेलो मे प्रतिनिधित्व/ प्रवीणता प्रमाण पत्र।

   (III) अंतिम विद्यालय द्वारा जारी चरित्र प्रमाण पत्र ।

   (IV) अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछडा वर्ग (आरक्षण उम्मीदवार यदि लाग हो तो)।
7. शारीरिक दक्षता परिक्षण के समय आवेदक को निर्धारित गणवेश (यनिफॉर्म) में उपस्थित होना होगा।
8. संस्थान द्वारा प्रदेय भोजन एवं आवास की सविधा आवेदक को प्राप्त करना अनिवार्य है।
9. संस्थान के पाठ्यक्रम के लिए परीक्षण हेतु भोजन एवम आवास की सविधा शल्क रू 200/- प्रतिदिन है।

संस्थान में निम्नलिखित विभाग कार्यरत है

1. अध्यापक शिक्षण विभाग
2. शटिंग प्रशिक्षण विभाग
3. योग प्रशिक्षण विभाग

बैचलर ऑफ फिजीकल ऐजुकेशन (बी0पी0एड0 दो वर्षीय) एवं बी0पी0ई0एस0 स्नातक तीन वर्षीय एम0पी0एड0 . पी0जी0 डी0 योगा , एम0ए0 योगा पाठ्यक्रम में प्रवेश हेत आवश्यकताएँ एवं विधियाँ-

आवेदन पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि : प्रत्येक वर्ष माह जन-जलाई

500/- रू0 पंजीकरण एंव पत्रिका का मल्य है :

प्रवेश परीक्षा केन्द : जसपाल राणा इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एण्ड टैक्नोलॉजी. मंझौन (पौन्धा) देहरादन

प्रवेश परीक्षा की तिथि : विश्व विद्यालय की तिथि के अनसार

प्रवेश परीक्षा में उपस्थित होने का समय : प्रात: 10 बजे

कल सीट B.P.Ed. : 50. M.P.Ed. : 40

B.P.E.S : 60. M.A.Yoga. : 30. P.G.D. Yoga : 30

प्रवेश परीक्षा संबंधित पाठयक्रम B.P.E.S, B.P.Ed, M.P.Ed

प्रवेश परीक्षा दो चरणों में सम्पन्न होगी।

1. **<u>प्रथम चरण में</u>** - लिखित परीक्षा जिसमें खेल से सम्बंधित प्रश्न (जैसे - खेल के मैदान का माप, उपकरण माप, विशिष्ठ खिलाड़ी एवम् उनके रिकार्ड, पुस्तक, खेल पुरस्कार, कप एवं ट्राफी, खेलों से संबधित शब्दावलि , ओलम्पिक खेल, एशियाई खेल, राष्टमण्डल खेल और विभिन्न खेलों के विश्वकप) उत्तराखण्ड राज्य से संबंधित प्रश्न आदि पूछे जाएगें।
2. **<u>द्वितीय चरण में</u>** - आपरयुथ फिजिकल फिटनेस टेस्ट (AAHPER Youth Fitness Test) में कल आइटमों या स्टेशनों की संख्या 6 होगी, जो इस प्रकार है।

क्र0सं0	लड़को के लिए (शारीरिक परीक्षण)	लड़कियों के लिए (शारीरिक परीक्षण)
¼I½	Pull-ups	Flexed arm hang
¼II½	Bent-knee Sit-ups	Bent-knee Sit-ups
¼III½	Shuttel Run(10 x 4 yards)	Shuttel Run (10 x 4 yards)
¼IV½	Standing broad Jump	Standing broad Jump
¼V½	50 Yard Desh	50 Yard Desh
¼VI½	600 Yard run - walk	600 Yard run - walk

JASPAL RANA INSTITUTE OF EDUCATION & TECHNOLOGY

Village Mazhon, P.O. Poundha, Via- Prem nagar, Dehradun, Uttarakhand - 248007
Phone -8126037773, 09411184180
E mail : jaspalranabpedcollage@gmail.com www.jaspalrana.com